



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 267]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्तूबर 31, 1990/कार्तिक 9, 1912

No. 267] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 31, 1990/KARTIKA 9, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी गयी है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## वाणिज्य मंत्रालय

(आयतन आपान नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 79-आई टी सी (पी एन)/90—93

नई दिल्ली, 31 अक्तूबर, 1990

विषय :—संगीत नाटक अकादमी के लिए 44 मिलियन येन की सांस्कृतिक  
अनुदान सहायता संबंधी लाइसेंसिंग शर्तें

काइल सं. आई पी सी/ 3(64)/90-93 :—1989-90 के लिए  
44 मिलियन येन (44,000,000 येन) का जापानी सांस्कृतिक सहायता  
अनुदान के अंतर्गत जापान से भारतीय परतनों पर उपस्कर के परिवहन  
के लिए आयातक श्रवण और दृश्य उपस्कर तथा सेवाओं के आयात पर  
पाबू होने वाली शर्तें इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं  
जिन्हें सूचनार्थ एतद्द्वारा अधिबुद्धि किया जाता है।

तेजेन्द्र खन्ना, मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 79-आई टी सी (पी  
एन)/90-93, दिनांक 31-10-90 का परिशिष्ट

वर्ष 1989-90 के लिए जापानी 44 मिलियन येन (44,000,000)  
की जापानी सांस्कृतिक अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से  
उपस्करों का भारतीय परतनों पर परिवहन के लिए श्रवण दृश्य  
उपस्कर और सेवाओं के आयात हेतु लाइसेंसिंग शर्तें।

## खण्ड-1 सामान्य शर्तें

1.(1) वर्ष 1989-90 के लिए 44 मिलियन येन की जापानी  
अनुदान सहायता संगीत और नाटक अकादमी द्वारा श्रवण दृश्य उपस्कर  
के आयात के लिए और उसके भारतीय परतनों पर आवश्यक परिवहन  
सेवाओं के लिए जापानी संभरको को की जाने वाली अदायगी के विल  
पोषण के लिए है।

1.(2) आयातक के नाम में आयात लाइसेंस कुल मिलाकर  
44 मिलियन येन (लागत बीमा बाड़ा) मूल्य से अधिक के लिए जारी नहीं  
किए जाने चाहिए और उन पर एक शीर्षक "1989-90" के लिए  
44 मिलियन येन का जापानी अनुदान सहायता होना चाहिए। प्रथम  
और द्वितीय प्रस्थ के लिए लाइसेंस कोड "एस/जे एन" होगा। परन्तु  
सामान्य खुले लाइसेंस के अंतर्गत आने वाली सदों के लिए कोई आयात  
लाइसेंस अपेक्षित नहीं है।

1.(3) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेण की अनुमति आयात  
लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अभिकर्ता के कमीशन के  
प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अभिकर्ता को भारतीय रुपये में किया  
जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और  
लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1.(4) उपस्कर की प्राप्ति इस अनुदान के अन्तर्गत जापान से ही की जाए।

1.(5) आयात लाइसेंस लागत बीमा भाड़ा आधार पर जारी किया जाएगा जो कि 31-3-1991 तक वैध रहेगा।

1.(6) संविदा में नकद आधार पर अर्थात् बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा पोतलदान वस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। उसमें मुद्रादोष की अवधि के लिए भी इस प्रकार व्यवस्था होनी चाहिए।—

“मुद्रादोष 15-3-1991 तक पूर्ण की जानी है।”

1.(7) संविदा का मूल्य लागत और भाड़ा या अज्ञात पर्यन्त निशुल्क मूल्य आधार पर येन में दर्शाया जाना चाहिए (येन की भिन्न को हटाया जाना चाहिए) और यदि कोई हो तो भारतीय अधिकर्ता का कमीशन शामिल नहीं किया जाना चाहिए। अन्य किसी मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। अज्ञात पर्यन्त निशुल्क लागत और भाड़ा धनराशि अलग-अलग प्रदर्शित की जानी चाहिए, परन्तु ठेके में यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भाड़े का खर्चा वास्तविक आधार पर वेब होगा या ठेके में निविष्ट किए गए भाड़े का वास्तविक खर्चों के अतिरिक्त येन धनराशि होगी।

1.(8) त्रय संविदा जापानी येन में केवल जापानी राष्ट्रिकों या जापानी राष्ट्रिकों द्वारा निर्गमित जापानी वैध व्यक्तियों के साथ की जानी चाहिए। एक प्रमाण पत्र (दो प्रतियों में) जिसमें संभरक की पात्रता दर्शाया गई हो प्रत्येक संविदा के साथ जोड़ी जानी चाहिए।

खण्ड-2 संभरण ठेकों में निम्नलिखित शर्तें विशेष रूप से समाविष्ट होनी चाहिए।

2.(1) 1989-90 के लिए 44 मिलियन येन की अनुदान सहायता से संबद्ध इस संविदा की व्यवस्था 25 अप्रैल, 1990 को भारत और जापान की सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार की गई है और यह दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2.(2) विदेशी संभरकों को भुगतान उस “भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र” (ए/पी) के माध्यम से किया जाएगा जो 1989-90 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो के नाम से सहायता एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, इण्डियन फायल भवन 5वां तल (बी. विंग), जनपथ, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

2.(3) जापानी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत हैं जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर जापान सरकार द्वारा अपेक्षित हों।

2.(4) जापानी संभरक भारतीय वृत्तावास टोकियो के साथ विचार विमर्श करके पोतलदान की व्यवस्था करने के लिए सहमत हो गया हो और इस उद्देश्य से ब्रह्म शामिल माल की डिप्लीवरी के कार्यक्रम के बारे में भारतीय वृत्तावास, टोकियो को सूचित करता रहेगा और कम-से-कम छः हफ्ते पहले अपेक्षित पोतलदान की अधिसूचना भारतीय वृत्तावास को देगा ताकि समुचित व्यवस्था की जा सके। अपवाद स्वरूप अगर आयातकर्ता चाहे तो नोटिस की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक प्रत्येक पोतलदान के बाद आयातकर्ता को केवल द्वारा आवश्यक शर्तों की सूचना देने के लिए भी सहमत होगा तथा उसकी एक प्रति भारतीय वृत्तावास टोकियो को भेजी जाएगी।

खण्ड-3 भारत सरकार और जापान द्वारा ठेके का अनुमोदन।

3.(1) जैसे ही आदेशों को अंतिम रूप दे दिए जाते हैं, लाइसेंसधारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत दस्तावेजों ठेके की पांच प्रतियां या जापानी संभरकों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए त्रय आदेश के

साथ जापानी संभरक द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकरण आदेश की चार प्रतियां सहित सभी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों के साथ अनुबंध 1 के प्रबल में “ए/पी जारी करने के आवेदन” की दो प्रतियां सहित अवरगचिब (टी ए) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया संविदा की विनय वस्तु या उसकी कीमत के आणविक आशोधनों से उत्पन्न सभी सविदा मजोघनों के लिए भी लागू होगी।

3.(2) वित्त मंत्रालय (टी ई ए) जापान अनुभाग 1989-90 के लिए 44 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्तदान देने के लिए संविदा की दो प्रतियां जापान सरकार को अनुमोदन के लिए भेजेगा और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक-एक सेट लेखा परीक्षा व लेखा नियंत्रक और भारत के वृत्तावास, टोकियो को भी साथ-साथ भेजा जाएगा।

3.(3) जापान सरकार में ठेका अनुमोदन प्राप्त करने पर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नार्थ ब्लॉक जापान अनुभाग उसकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, इण्डियन फायल भवन, 5वां तल, बी. विंग जनपथ, नई दिल्ली-110001 को देगा जोकि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को अनुबंध-2 के अनुसार एक “भुगतान प्राधिकार पत्र” (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियां भारत सरकार का वृत्तावास टोकियो, आयातक भारत में आयातक के त्रय और वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग को भेजी जाएगी।

3.(4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक ऑफ इंडिया टोकियो जापान सरकार, भारत का राजदूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए इस प्राप्ति की सूचना से संभरक को अवगत कराएगा।

3.(5) पोतलदान करने के बाद जापानी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से ए/पी में उल्लिखित दस्तावेज बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि जापानी संभरक को अपने बैंकों के माध्यम से रिलीज करेगा।

3.(6) जापानी संभरक को भुगतान करने की व्यवस्था करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को त्रय बैंकिंग प्रणाली का भुगतान भारत में आयातकर्ता के संबंधित बैंक द्वारा भारत सरकार के लेखों को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक सूत्रों के माध्यम से बैंक ऑफ इंडिया टोकियो को घन पं-पण द्वारा तय किया जाएगा।

खण्ड-4। खपत निरोध करने के लिए उत्तरदायित्व

4.(1) मूल्य पराजित्य पोत परिवहन दस्तावेज बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा भारत में आयातक के संबंधित बैंक को भेजे जाएंगे जो कि भारतीय स्टेट बैंक या अनुबंध-1 में (ण) पर यथाउल्लिखित किसी राष्ट्रीय-कृत बैंक की एक शाखा होगी जो संबंधित आयातक को पराजित्य जहाज-रानी दस्तावेज रिहा करने से पूर्व इस बात को सुनिश्चित करेगा कि जापानी संभरक को चुकाई गई येन भुगतान की समस्त रूपरेखा की धनराशि के बराबर खपत व्याज के प्रमाण सहित उस धनराशि पर जापानी संभरक को बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रूपरेखा जमा करने की तिथि तक की अवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से और शेष अवधि के लिए 18% प्रतिवर्ष की दर से हिसाब लगाकर व्याज सार्थकता सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 26-8-83 की शर्तों के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा

कर दिया गया है । ध्यान दोनों तिरों अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखे में रुपया जमा किया जाता है, वेय है, देखिए सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 तथा सार्वजनिक सूचना सं. 76-आई टी सी (पी एन)/74 दिनांक 31-5-74 के अन्तर्गत यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 230-आई टी सी (पी एन)/85-88, दिनांक 20-7-87 की शर्तों के अनुसार आयातक द्वारा किए जाने वाले रुपये निक्षेपों को निकटतम रुपये में गिना जाएगा । विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समनुव्य रुपये की गणना करने के लिए आगामी जान वाली वित्तिय की दर भुगतान की तारीख को लागू वित्तिय की बह मिश्रित दर होगी जो मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचना सं. 8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 तथा सार्वजनिक सूचना सं. 113-आई टी सी(एन पी)/88-91, दिनांक 6-4-89 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो या जो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा वित्तिय नियंत्रण परिषद् के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो । इस संबंध में श्रीर व्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा । यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात वस्तावेज लौपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है । आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने ऋणदाताओं से वस्ता-वेजों की सुपुर्दीगी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है । यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से सुरक्षित जमा कर दी है भले ही अब ये विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत संपादन्य प्राधिकारियों से मृग पोष-परिवहन वस्तावेज के बिना ही मात्र की सुपुर्दीगी प्राप्त करते हैं । यदि आयातक सरकार को देय धनराशि को साल की सुपुर्दीगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आवे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बर्ध कर दिया जाए । जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह "के डिपॉजिट एंड एडवांसमेंट्स-344 इ-वितीय डिपॉ-जिट-डिपॉजिट नाट बाबाल १९६५ डिपॉजिट फार परफार्मिंग अट्टा एवाइ परचेज अण्डर ग्रैंट ऐंड करीम दि सर्वेमेंट ऑफ जापान फार 1989-90 ग्रैंट फार दि परचेज ऑफ शांझियो जिंजुआ इक्विपमेंट/सप्लाइ आई दि संगीत नाटक अकादमी ।

4.(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लॉय हजारी, दिल्ली में बालकन के ऊपर धारिणी प्रौर कोन में कांज सं. 5130000009 या संकेत देते हुए या ऐसा संभव न हो तो भारतीय स्टेट बैंक या उसको किसी श्रुत/गो शाखा या निम्न राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रयत्न) से (दमण्ड इष्ट लेकर) जो भारतीय स्टेट बैंक, लॉय हजारी, दिल्ली-6 (शरी एड पेय) को भरा किया जाए निश्चय प्रकार का साथ गार्वन्तिक सूचना सं. 1003-आई टी मो (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 से यथा-निर्धारित रूप में जमा होता चाहि ।

4(3) सरकार, द्वारा ऐसा किया जाने के बाद ज्ञान दिनों के भारत भारत में संबद्ध बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके में यह आर्थिक धनराशि सेवा खर्चों के विभिन्न भेजेगा। जो भारत सरकार द्वारा मांगी जाए। ज्ञान के विभिन्न आयनों को भरते समय आयदाता/उनके बैंकर्स को इन बात को सुनिश्चित रूप सेना चाहिए कि मासिक वृत्त सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना ज्ञान के काम में "धन परेषण" और प्राधिकारी (परि कोई भी) के पूर्ण स्तरों में निष्पक्ष रूप से निर्दिष्ट किए गए हैं। अज्ञान ज्ञान में निम्नलिखित व्यौरा निष्पक्ष रूप से उपलब्ध करने चाहिए :-

(क) विरक्त भंडालय के "प्राधिकार पत्र" की संख्या और दिनांक ।

(ख) येन भुद्रा की यह धनराशि जिसके संबंध में प्रपनाई गई परि-  
षयन की वर के साथ निक्षेप किए जाने हैं ।

(ग) जापानी संभरक को भुगतान करने की तिथि ।

(घ) अबदा किए गए ब्याज की राशि और अवधि जिसके लिए गिना गया है।

(ड) कुल जमा राशि ।

(ब्याज की गणना जापानी संस्करण को धरायगी की तारीख से और उस तारीख तक जिस तारीख को समकक्ष रुपया सरकार की खाने में जमा कराया है, की जाएगी) ।

उसके पश्चात् सी.ए.ए. एण्ड ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार का सम्बन्ध देते हुए और बीजक तथा पोष-परिवहन वस्तुओं को संलग्न करते हुए खजाना जावान किया गया करते का साक्ष्य देते हुए, पंजीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए. एण्ड ए. को भेजा जाता है ।

टिप्पणी :—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रुपये का निक्षेप भारतीय बैंक टोकियो की अदायगी के सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलवान दस्तावेज को प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि उसके तत्काल बाद सी.ए.ए. एण्ड ए. विस्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) तह दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा ।

4-(4) भारत में संबद्ध भारतीय बैंक की लाइसेंस की मुद्रा विनियम निबंधन प्रति पर रूपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए श्रीर श्रुपेजित "गय" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, मम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड-5 विधि व्यवस्थाए

5. (1) अनुदान सहायता के उपयोग करने की रिपोर्ट ।

संभरक को को जाने वाली अवधारणियों की राशि और तारोख को सुनिश्चित करने के लिए आपातक को आग से व्यवस्था करनी होगी। आपातक के बैंक द्वारा देर यात्रिणध्व से प्राप्त पौन परिवहन इत्यादि प्रणेशों की प्राप्ति के हवावा निक्षेप राशि पर देय ब्याज राशि को आंशिक या पूर्ण रूप से मुक करने का कारण नहीं माना जाएगा।

आयातक का पोषादान और उसके अधीन किए गए भुगतान और ग्रोथ घनत्व के बारे में माखपत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, इंडियन आयल भवन, 5 वां तल (थो. विंग) जलपथ, नई दिल्ली-110001 की भेजनी चाहिए।

5. (2) आयातक को उन किंगो विशेष उपस्थितियों से संभरक को अवगत करा देगा जहाँ जहाँ इन अनुदान सहायता के अंतर्गत माल के लान में सभरक पर प्रभाव डालता है ।

५ (३) विवाद

पर भगवत सेवा चाहिए। जिसका स्वभाव ही आराम भरणों के बोध को ही विवाद उठेगा तो इसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय स्टेट बैंक टोकियो द्वारा किए गए भगवान से पत्नी संभरक द्वारा पूरी का जाने वाला पर अनुवर्ध-। में "भुगतान की गतों" के प्रत्यक्षी तद्वत्तर से स्पष्ट कर लेनी चाहती। विवाद की गतों में विवाद के निपटान में सहायक व्यवस्था शामिल होनी चाहिए।

5. (4) भाष्योपनिर्देश

जापान से 1989-90 के लिए अनुदान सहायता के यत्नरत प्रायतः  
लाहमेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होते थे कि किसी मामले या सभी  
पामने के संबंधित या जापान से इस अनुदान सहायता के अलग से सभी  
आमारी को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा सक्षम-मय पर किए  
गए निवेदों या आदेशों का लाहमेंसधारी को तुरंत पालन करना होगा।

## 5. (5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

## 5. (6) अनुबन्धों की सूची

अनुबन्ध-1 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध।

अनुबन्ध-2 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र।

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र संख्या-----

सेवा में,

सहायक लेखा तथा लेखा परीक्षा निबंधक,  
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,  
"बी" विंग 5 का तल, जनपथ भवन,  
जनपथ, नई दिल्ली।

विषय:—44 मिलियन येन की 1989-90 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत श्रवण दृश्य उपकरणों और उनका भारतीय बंजरगाहों पर परिवहन करने के लिए आवश्यक सेवाओं का आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अधीन जापान से श्रवण दृश्य उपकरणों और उनके परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के संबंध में हम संबंधित जापानी संभरक के पक्ष में बैंक आफ इंडिया टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र भेज रहे हैं :-

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता।
- (ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और जब तक यह वैध है।
- (ग) अधिप्राप्त के तरीके क्या यह प्रत्यक्ष खरीद पर आधारित है या सीमित छुली निषिद्धा पर आधारित है। इस मामले में कारणों सहित यह निर्दिष्ट करना है कि क्या निषिद्धा का निर्णय तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण।
- (ङ) माल का उद्गम देश।
- (च) निषिद्धा का कुल लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)।
- (छ) यदि कोई हो तो भारतीय रुपये में भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)।
- (ज) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।
- (झ) जापानी संभरकों के माध्य की गई निषिद्धा की संख्या और दिनांक।
- (ञ) जापानी संभरक का नाम और पता।
- (ट) वे भुगतान और संसाधित निधि जिनसे निषिद्धाओं के अंतर्गत भुगतान देय होंगे।
- (ठ) माल की सुपुर्दगी पूर्ण करने का प्रस्तावित तिथि।
- (ड) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले वस्तावेज (प्रत्येक सैट की संख्या और उनका निपटान दर्शाते हुए)।
- (व) पोतलदान अनुदेश (अनुदेश या गैर अनुदेश वाहनान्तरण/आंशिक पोतलदान) निर्दिष्ट कीजिए।

(ण) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

(त) बैंक आफ इंडिया, टोकियो के प्रभार कौन वहन करेगा। कृपया निर्दिष्ट करें।

(थ) आयातक द्वारा बंधनबद्धता :-

"हम एतद्वारा बंधन देते हैं कि हम विदेशी संभरक को वेय धनराशि के समतुल्य रुपये की पूर्ण धनराशि को सरकार द्वारा निर्धारित क्रियाविधि से खोर प्रवर्तित दर पर सही रूप से जमा करवा देंगे। माल (आयातित सामग्री) के प्रत्येक परेपण की सुपुर्दगी प्राप्त करने से पूर्ण राशि सीधे ही जमा करवा दी जाएगी। विदेशी राष्ट्रों की सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संभरक के संगत बीजक अनुमोदित किए जाते हैं और संभरक को भुगतान किया जाता है वैसा ही राशि जमा करवा दी जाएगी।

भवदीय,

अनुबन्ध--32

प्राधिकार पत्र सं.-----

सं. एक

भारत सरकार  
वित्त मंत्रालय  
आर्थिक कार्य विभाग  
नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में

बैंक आफ इंडिया,  
टोकियो शाखा,  
टोकियो (जापान)

विषय:— वर्ष 1989-90 के लिए 44 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से उपकरणों के भारतीय पक्षों पर परिवहन के लिए आवश्यक श्रवण दृश्य उपकरण और सेवाओं का आयात। प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 25-4-1990 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा परिशिष्ट में दिए गए ब्योरे के अनुसार संबंधी-----को-----येन अधिकतम धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (एवी) की पाबंदी के बारे में संभरकों की सूचना दे और इन सूचना पत्र का एक प्रति जापान सरकार, आयातक बैंक, भारत के राज बूताबाग, टोकियो और इन संज्ञातय को पृष्ठांकित की जाए।

3. प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार संभरकों का भुगतान परिशिष्ट में तथा सकेतिक लदान दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा।

4. विदेशी संभरक को भुगतान करते समय (आयातक के बैंक का नाम और पता (.....) मूल पोतलदान दस्तावेज जितने साथ पराक्रम्य और अतिरिक्त दस्तावेजों का पूरा सैट और संभरक को अदायगी के लिए नामे बीजक की प्रति, जितने अदायगी यदि कोई हो भेजी जानी चाहिए।

5. आपको आयातक द्वारा दस्तावेजों के रख-रखाव और समुद्रवार के संभरकों एवं बैंकों यदि कोई हो, के प्रभारों सहित प्रदा किए जाने वाले बैंकिंग भाड़ा का निर्धारण सीधे आयातक बैंक द्वारा किया जाएगा।



6. जैसे ही जापान सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए नगरादस्तावेज आधिकारिक आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में हम मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

7. इस संज्ञान की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए अधिकार पत्र में किए कोई भी संग्रहण जारी नहीं किया जा सकता है।

8. यह भुगतान अधिकार पत्र-----तक वैध रहेगा।

9. कृपया इस संख्या का उल्लेख करें जो इस अधिकार पत्र का शीर्षक पर वा गई है, इसे संविदा से संबंधित सारे पत्राचार और बाजक में भी प्रदायगी दक्षति हुए लिखा जाए।

अधीन,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :-

1. आयातक-----को उसके पत्र सं-----  
दिनांक के-----के संदर्भ में।

उत्तम धनराशि है कि वे बैंकों से विविध वसूली की डिजीबरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपनी बैंकों के माध्यम से अपना निक्षेप आदि जमा करने का प्रबंध करें। यदि विविध परिस्थितियों के कारण आप का डिजीबरी सीधे ही सीमाशुल्क और पत्राचार अधिकारियों से मूल पोर्टल पर दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर लो गई हो तो डिजीबरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बंध बाजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाएं, निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथाउल्लिखित आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है।

2. आयातक के बैंक----- (1) यह अधिकार पत्र येन अनुसार के अंतर्गत आयातों को प्रतिष्ठित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं/आवेदनों आदि को देखे और आयात/विदेशी भुगतान के संबंध में जांच कार्यवाई करें।

(2) उक्त निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर जापान सरकार को येन भुगतान के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करें। बैंकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये का गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8-आईटीसी (पोएन)/76, दिनांक 17-1-76 और 113-आईटीसी (पोएन)/88-89, दिनांक 6-4-88 तथा एन एन डू, सार्वजनिक सूचना जो समय समय पर जारी की जाए, के अनुसार जापानी सरकारों को भुगतान करने का विधि का यथा प्रचलित परिवर्तन की निश्चिन्ता कर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक दर से और इससे अधिक लब्धि के लिए 18% वार्षिक दर से व्याज जो कि संयुक्त को भुगतान को तारोख और जिस तारोख को समतुल्य रूपवा सरकार के लेखों में जमा किया जाए उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए संगणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-आईटीसी (पोएन)/83, दिनांक 10-8-83 और सार्वजनिक सूचना सं. 35-आईटीसी (पोएन)/83, दिनांक 26-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा करना है। व्याज दोनों उक्तों के लिए देय है अर्थात् यह दिन जब जापानी सरकार का भुगतान किया जाता है और वह तारोख भी जब भारत सरकार के लेखों में रखा गया कराया जाता है। (जब भी हफ्ता दर से कोई परिकल्पना किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा) 20-7-87 की सार्वजनिक सूचना सं. 130-आईटीसी (पोएन)/85-88 की शर्तानुसार आयातक द्वारा निक्षेप किए जाने वाले रुपये की गणना निकटतम रुपये के गुणक में की जानी

चाहिए। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमाशुल्क निकाली के लिए आयात पराक्रम्य दस्तावेजों को मूल सैट दिए जाने से पूर्व धनराशि जमा कर ली जाए।

(3) वे धनराशियों या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजार दिनों में चालान के दाहिनी और कीच सं. 51300000099 दक्षति हुए जमा करना चाहिए, अथवा स्टेट बैंक आफ इंडिया का शाखा का उक्त को उरमा-ब्रांचों या किनो राष्ट्रीकृत बैंक (आवेशक) से प्राप्त रिमाउंट ट्रांस, जोकि स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजार, दिनांक-6 (आदिशिवी और आवासी) में देय हो, के माध्यम से भेजा जाना चाहिए। इस संबंध में उक्त ध्यान आकर्षित सार्वजनिक सूचना सं. 103-आईटीसी (पोएन)/76 दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिशाया जाता है। यह लक्षा धीरे जिसमें फास जमा करना है "के रिमाउंट एण्ड एंशरॉन-843-नैशनल डिपॉजिट्स, डिपॉजिट्स नाट बेरिंग इन्स्ट्रुमेंट्स ऑफ पब्लिक एंशरॉन सबरोड पब्लिक एंशरॉन ग्रांट एंड फंड फॉर डिमंडेड आफ जापान फॉर 1989-90 अंडर डिटेल्ड हैड" 44 मिलियन येन ग्रांट एंड फंड फॉर पब्लिक एंशरॉन/सर्विज आई रिसेवीत नाटक प्रकारों।

(4) जिन मामलों में तुल्य रूपवा रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजार दिनों में सार्वजनिक सूचना संख्या 132-आईटीसी (पोएन)/71, दिनांक 3-10-71 के अनुसार नकाद जमा किया जाए उन मामलों में चालान की मूल रूप में एक प्रतिनिधि उनके द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजना चाहिए, जिसके साथ बैंक आफ इंडिया टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिपिंगों का पूर्ण विवरण देते हुए एक अग्रपत्र पत्र होना चाहिए :-

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा निवेदनक,  
वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),  
इंडियन आयल भवन, 5 वां तल (बी विंग),  
जनपथ, नई दिल्ली-110001.

5. जिन मामलों में तुल्य रूपवा ऊपर सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दशानों दुष्कां द्वारा प्रेषित करता है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पत्र पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में जमा किए गए तुल्य रुपये चुकाए गए बाज की राशि और वह अवधि जिसके लिए व्याज मिला गया है, का पूरा अपार इस विभाग को भेजना चाहिए।

(6) बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच के बैंक प्रकार और विदेशी संभरकों के बैंकों के प्रकार, यदि कोई हो, तो वे भारतीय बैंक और बैंक आफ इंडिया टोकियो के बीच सीधे तब किए जाने चाहिए।

(7) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत डॉनर के रूप में बैंक के कर्तव्य एवं त्रिमेशरियों को भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न परेयताओं में प्रतिनिष्ट किया गया है। इस संबंध में 18-8-1977 के ए. डी. परेयता सं. 22 की ओर विशेष ध्यान आकर्षित किया जाता है।

3. भारतीय नृनायाय, टोकियो।

4. अंडर सचिव, जापान अनुदान, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली की आई. डी. सं.-----दिनांक-----के संदर्भ में।

(लेखा अधिकारी)

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO 79-ITC (PN)90-93

New Delhi, the 31st October, 1990

Subject—Cultural Grant Aid of yen 44 million (1989-90)  
Sangeet Natak Akademi—Licensing Condition—re-garding.

File No. IPC/23(64)/90-93.—The terms and conditions governing import of audio visual equipment and services

necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Cultural Grant Aid for 1989-90 of Yen 44 Million (Yen 44,000,000) are contained in the Appendix to this Public Notice and are hereby notified for information.

TAJENDRA KHANNA, Chief Controller  
of Imports and Exports

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE PUBLIC NOTICE NO. 79-ITC (PN)/90-93, Dated 31-10-1990  
Licensing Conditions for import of audio visual equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese cultural Grant Aid for 1989-90 of Yen 44 Million (Yen 44,000,000).  
Section I General Conditions.

I (i) The Japanese Grant Aid for 1989-90 of Yen 44 million is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for import of audio-visual equipment and services necessary for the transportation thereof to ports in India, by the Sangeet Natak Akademi.

(ii) The import licences should be issued for an aggregate amount not exceeding Yen 48 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription "Yen 44 Million Japanese Grant Aid for 1989-90". The licence code for the first and second suffix will be "S/JN". But no import licence is required for items covered under O.G.L.

(iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels, payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, thereof, be charged to the licence.

(iv) The equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid.

(v) The import licences will be issued on CIF basis with validity upto 31-3-1991.

(vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

"delivery to be completed by 15-3-1991".

(vii) The contract value (FOB of C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be amount payable irrespective of the actual charges.

(viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals. A certificate (in duplicate) showing the eligibility of the supplier should be added to each contract.

Section II—The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :—

(i) The contract is arranged in accordance with the agreement dated the 25th April, 1990 between the Governments of India and Japan concerning the Grant Aid of Yen 44 million for 1989-90 and will be subject to the approval of both the Government.

(ii) Payments to the suppliers shall be made through an Authorization of Aid pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhavan, Vth Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001 in favour of Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1989-90.

(iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

(iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance for the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require in this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III—Contract Approval by Government of India and Japan.

(i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (T&A), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi 5 copies, copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order of confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of A/P" in the form at Annexure I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modification to the contents of contracts or in its price.

(ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send two copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1989-90 of Yen 44 million, sent to the Agents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

(iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan, Vth Floor, B-Wing Janpath, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

(iv) On receipt of the Authorisation to pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and the CAA&A.

(v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

(vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV—Responsibility for rupee deposit

(i) The original negotiable shipped documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the Nationalised banks, as mentioned in (O) in Annexure I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 12% per annum for the first thirty days and at 18% for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31-ITC (PN)/83 dated 10-8-83 and No. 35/ITC (PN)/83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which

payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposit is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. In terms of Public Notice No. 230-ITC(PN)/85-88 dated 20-7-87 the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off the nearest rupee. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payment will be the prevailing composite rate of exchange not laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 and No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through Public Notice of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importer should ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the Customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further "A/P" to him may be stopped. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advance 8443-Civil Deposits—Deposits not bearing interest Deposits for purchase etc., abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan" for 1989-90 Grant for purchase of audio-visual equipment/services by the Sangeet Natak Akademi.

IV (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 and dated 12-10-1976.

IV (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of Remittances and authority (if any)" of the Challan. The following particulars should in variably be furnished in the Treasury Challans :—

- Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to pay) No. and Date.
- Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- Date of payment to the Japanese supplier.
- The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier unto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Accounts).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note.—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days

of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

#### Section V—Miscellaneous Provisions

##### V (i) Reports on the utilisation of the Grant Aid

The importers should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping documents etc. by the importers Banker will not be acceptable as a reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan, Vth Floor, (B Wing), Janpath; New Delhi-110001.

V (ii) The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this grant Aid which may effect the suppliers in carrying out the transaction.

##### V (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of payment" provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

##### V (iv) Future Instructions

The importer shall promptly comply with any directions, instructions or others issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from all or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1989-90 from Japan.

##### V (v) Breach or violation

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

##### V (vi) List of Annexures :

Annexure I :—Request for issue of A/P.

Annexure II :—Form of A/P.

#### ANNEXURE-I

#### REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY

To,

The Controller of Aid Accounts & Audit,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
'B' Wing, 5th Floor,  
Janpath Bhavan, Janpath,  
New Delhi.

Subject.—Import of audi-visual equipment and services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 44 million for 1989-90.

Sir,

In connection with the import of audio-visual equipment services necessary for its transportation of the Equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we



furnish A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese supplier concerned :—

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number Date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of Procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Number and date of the contract with Japanese suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese supplier.
- (k) Payments terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating no. of sets of which and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transshipment/part shipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of the Importer's bank in India.
- (p) Who will bear the banking charges of the B.O.I. Tokyo-importer or supplier, please specify.
- (q) Undertaking by the importer.—“We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (materials imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to suppliers”.

Yours faithfully,

#### ANNEXURE-II

Authorisation to pay No.  
No. F.  
Government of India  
MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Economic Affairs)  
New Delhi, the 1990

To

The Bank of India,  
Tokyo Branch,  
Tokyo (Japan),

Subject.—Import of audio-visual equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 44 million for 1989-90 Issue of Authorisation to Pay

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-4-1990 entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay in amount not exceeding Yen \_\_\_\_\_ to M/s. \_\_\_\_\_ as per details given in the appendix.

2. Please advise the supplier of the fact of receipt of this Authorisation to pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in the terms of the A/P may be made on the basis of shipping documents as indicated in the appendix.

4. On making payment to the foreign suppliers, you should send to \_\_\_\_\_ (Name & address of importers' Banker) the original shipping documents negotiable as well as additional complete set of the documents and a copy the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Banking charges including charges for handling documents and charges of Overseas Suppliers, Bankers if any payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

6. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importers' bank.

7. No. amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific Authority from this Ministry

8. This A/P will remain valid upto.....

9. Please quote the number given at the top of the authorisation to pay in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment

Yours faithfully,

Account Officer.

Copy forwarded to :—

1. Importer \_\_\_\_\_ with reference to their letter No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_. They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign Nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the licensing conditions.

2. Importers' Banker.....

(i) This Authorisation to pay is issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen grants. The licensing conditions and connected Public Notices/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of the documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite



rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC (PN)/76 dated 17-1-1976 and 113-ITC (PN)/88-89 dated 6-4-1989 or such other Public Notices as may be issued from time to time interest @12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 percent per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Government of India's account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-1983, and No. 35/ITC (PN)/83 dated 26-8-1983. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the date on which rupee deposit is made into the Government account, (any change in this rate will be notified if and when made). In terms of Public Notice No. 230-ITC(PN)/85-88 dated 20-7-87 the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import negotiable documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with RBI New Delh indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I., Tis Hazari Delhi or remitted by means of Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notice No. 103-ITC (PN)/76 dated 12-10-77. The head of the account to be credited is 'K-Deposits & Advances-8443-CIVIL-Deposits---Deposit not bearing interest Deposit for purchases etc. abroad-purchases under Grant Aid from Govt. of Japan' for 1989-90 under detailed head 'Yen 44 million grant aid for purchases of equipment/services by the Sangeet Natak Akademi.

(iv) One copy of the Challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New

Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), Indian Oil Bhavan, Vth Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001.

(v) In case where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

(vi) The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the B.O.I. Tokyo.

(vii) The Bank's duties and responsibilities as authorised Dealer in foreign exchange are prescribed in various AD Circulars of the RBI. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dated 18-6-1977.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (Japan Section), Ministry of Finance Department of Economic Affairs, New Delhi with reference to I.D. No. \_\_\_\_\_ dt. \_\_\_\_\_

( )  
ACCOUNT OFFICER

